

[Shri Uma Shankar Dixit.]

certain amount of investigation did occur on their behalf. We are aware of it and we are not taking any light attitude about it.

12.46 hrs.

MOTION FOR ADJOURNMENT

DISRUPTION OF RAILWAY SERVICES DUE TO MASS ABSENTEEISM BY LOCO RUNNING STAFF

श्री छटल बिहारी बाजपेयी (म्वालियर) लोको कर्मचारियों की हड़ताल के बारे में आप ने शायद इस आधार पर विचार नहीं किया कि शायद रेल मंत्री उस के बारे में बयान देने वाले हैं। लेकिन अध्यक्ष जी, हमारी मुश्किल यह है कि रेल मंत्री के बयान पर आप सवान तक पूछने की इजाजत नहीं देंगे।

अध्यक्ष महोदय अगर आप चाहेंगे तो इस पर . (व्यवधान)

श्री छटल बिहारी बाजपेयी अध्यक्ष जी, हड़ताल इसलिए हो रही है कि मई में जब लोको कर्मचारियों ने हड़ताल की थी और मंत्री जी ने जो आश्वासन दिए थे उन का पालन नहीं हुआ, सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से अलग किया जा रहा है, उनकी सर्विस में ब्रीक हो रहा है। हम आप का मार्गदर्शन चाहते हैं। नियमों में ऐसा लिखा है कि

Rule 58 (vi) says:

"The motion shall not anticipate a matter, which had been previously appointed for consideration".

Consideration is something different from just making a statement by the Minister.

अगर आप उस बयान पर हर्षे बर्षा करने का मौका दें (व्यवधान) भाव मुकबार है, दो दिन छुट्टी होने वाली है, रेलें प्रस्तावित हैं, सारे देश का मातायात बंग हो गया।

अध्यक्ष महोदय . बर्षा प्राव क्या करना है। बाद में करिए, और एक, दो दिन बाद हासत ठीक नहीं हुई तो हमले सप्ताह देखेंगे।

श्री छटल बिहारी बाजपेयी : मई में जो इन्होंने आश्वासन दिए थे उन का पालन नहीं हुआ इसलिए कर्मचारी हड़ताल करने के लिए मजबूर हैं। हम उन का बयान सुन लेते तब आप हमारा (व्यवधान)

SHRI S. M BANERJEE (Kanpur):
The Railway Officers are sabotaging the whole thing

रेल मंत्री (श्री एल० एन० निख) : आपकी सूचना सही नहीं है कि हमने जो आश्वासन दिया उमका कार्यान्वयन नहीं हो रहा है और इसलिए हड़ताल हा रही है। (व्यवधान)

श्री छटल बिहारी बाजपेयी . आप इन का बयान सुन कर, फंसला कीजिए। (व्यवधान)

श्री हुकम चन्द बछवाय (मुरैना) . मंत्री जी एयरकंडीशन्ड कमरे में बैठते हैं। (व्यवधान) यह जो कुछ कह रहे हैं वह सही है, और हम जो कह रहे हैं वह सही नहीं है। हम मंत्री महोदय के बयान पर सवाल नहीं पूछ सकते इसलिए आप काम रोको प्रस्ताव स्वीकार कर लें।

अध्यक्ष महोदय : आप सब लोग एक साथ बोल रहे हैं, कुछ समझ में नहीं आता . . . (व्यवधान)

The Minister is making a statement.

SHRI S. M. BANERJEE: Let him lay the statement on the Table of the House.

अध्यक्ष महोदय : स्वीकार कर लूं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, मैंने सुना नहीं आप क्या कह रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय : मैं कह रहा हूँ कि स्वीकार कर लूं आप का मोशन ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जरूर कर लीजिए साहब।

अध्यक्ष महोदय : मैं तो नैयार हूँ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, संख्या में अगर गिर जायगा तो इस का विचार हम नहीं करते। मामला महत्वपूर्ण है, हम उस पर चर्चा चाहते हैं।

श्री मधुलिमये (बांका) : आज 2 बजे काल अटेशन मजूर किया जाय।

MR. SPEAKER: No calling attention is like this. I shall allow a discussion on it.

आप सोमवार को आबेंगे। उस वक्त तक मामला हल नहीं हुआ तो मैं इस पर डिस्कशन अलाऊ कर दूंगा।

SHRI JAGANNATHRAO JOSHI (Shajapur): Sir, for these two days, all the trains have stopped.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्लेरी-फिलफेशन मांगना स्वीकार कर दीजिए। आप थोड़ा रूल ब्रेक कर दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : रूल ब्रेक करने की बात नहीं है। एक घंटा बाद में रख देंगे, और क्या।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : 2 बजे रख दीजिये।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, दो बजे से देखिए रोज ऐसा चलना है और कल का दिन भी गया, परसों का दिन भी गया। इसलिए अगर आप को इसी तरह रोज चलाना है, किसी भी बात को ले लो, तो कैसे काम चलेगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप को कुछनाय जी, आपको किस ने कहा है कि शोर करने से दलील मजबूत हो जाती है। शोर से काम नहीं चलेगा। आप शोर ज्यादा करते हैं। मैंने तो शोर बगैर ही किया है। मैं इस को कम ग्रहमियत नहीं देता हूँ।

It is not less important. The country is affected.

मिनिस्टर ने ओफर किया है कि मैं स्टेटमेंट करूंगा। अगर आप चाहते हैं और मोशन लाना है तो मैं उस के लिए प्रीपेयर्ड हूँ।

SHRI S. M. BANERJEE: That is not our submission, Sir. Kindly hear me for a minute. I only want to submit that we had tried our best to bring about a settlement. We have been trying since five O' clock yesterday evening to have talks with the hon. Minister. I had a talk with the hon. Minister also But unfortunately, unless the hon Minister declares one thing very clearly that there will be no arrests it would be very difficult, because there is a fear among the leaders that if the leaders come for discussion, they are going to be arrested. I would ask the hon. Minister to

[S. M. Banerjee]

declare here and now that nobody is going to be victimised and nobody would be arrested under D.I.R. Previously, they were arrested, and that is why they are afraid. I want that the hon. Minister should make a statement here making this declaration....

MR. SPEAKER: It becomes very difficult. Why should hon. Members anticipate what the hon. Minister is going to say? After the hon. Minister makes the statement, if hon. Members think that they want time to put some questions or say something, we can fix one hour at the end; or if they think that we should have a debate, we can keep it for Monday.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: It should be done today.

SHRI SAMAR GUHA (Contd): All trains have stopped.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, हूँ उन का बयान सुन ले, फिर आप फैसला करें, उस पर सबाले पूछने की इजाजत दे या छोटी सी चर्चा कर सके 6 बजे से पहले ।

अध्यक्ष महोदय : इस बारे में कुछ साफ है, वह मैं कैसे तोड़ सकता हूँ। अगर एक दिन कर लिया तो रोजाना उसी की मिसाल आप देंगे ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर रेलवे में इस तरह से बारबार हड़ताल होनी तो हवाई मजबूती है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं देख चुका हूँ, कई दफा आप की बात मान ली थीर उसको प्रीसीडेंट बन लिया I am not for it. I am going to depart from the rules.

श्री मधु मित्तल : अध्यक्ष महोदय । मेरा उपस्थिति का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : प्रीसिडेंट साहब को रक्षित करने वाले । फिर आप में कीर्तिका । सबाल में नहीं जाता कि क्यों इतना लौग बात बोलते हैं ।

I want to consult hon. Members for some time-saving devices, because every day time is taken like this and we are running short of time at the end.

श्री एस० एन० बनर्जी : हने अध्यक्ष महोदय, बोलने की ही तनकबाह मिलती है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं भी इतने सालों से रहा हूँ, और मैंने देखा है कि जिन् लोगों ने ज्यादा सबाल करे वही हारे ।

SHRI S. M. BANERJEE: We have tabled a motion under rule 377 about the Spotlight programme of All India Radio.....

MR. SPEAKER: Why is the hon. Member impatient? The procedure is there. I shall see to it later on. I am not going to commit myself now.

SHRI S. M. BANERJEE: You are the custodian of the rights of this House. That is why I want to raise it.

MR. SPEAKER: In my parliamentary life, I have come across two persons who are unrivalled in this wonderful technique of introducing everything in the House in this manner; one of them is Shri S. M. Banerjee, and as for the other, I am not going to mention his name.